भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

05.08.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 2960 का उत्तर

हावड़ा-बर्धमान कॉर्ड खंड

2960. श्रीमती रचना बनर्जी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या हावड़ा-बर्धमान कॉर्ड खंड पर चंदनपुर-शक्तिगढ़ चौथी रेल लाइन परियोजना को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है और यदि हां, तो भूमि अधिग्रहण और उस पर निर्माण कार्य की वर्तमान स्थिति सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) परियोजना की कुल स्वीकृत लागत, प्रस्तावित चौथी लाइन की लंबाई और पूरा होने के लिए निर्धारित समय-सीमा का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने हुगली जिले में बंदेल, बोइंची, मेमरी और निकटवर्ती उपनगरीय खंडों सहित स्टेशनों की पहचान इस परियोजना के भाग के रूप में प्लेटफार्म, सिगनल और यात्री सुविधा कार्यों के लिए की है; और

(घ) परियोजनाओं के निष्पादन के दौरान हावड़ा और हुगली के बीच दैनिक उपनगरीय ईएमयू (इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट) सेवाओं में व्यवधान को कम करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): चंदनपुर-शक्तिगढ़ चौथी लाइन परियोजना (43 किमी) को 750 करोड़ रु. की लागत पर स्वीकृत किया गया है। इस परियोजना को विशेष रेल परियोजना घोषित किया गया है। भूमि अधिग्रहण हेतु सक्षम प्राधिकारी नियुक्त किया जा चुका है। भूमि अधिग्रहण का कार्य शुरू कर दिया गया है।

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना कई कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण
- वानिकी स्वीकृति
- अतिलंघनकारी जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण
- विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियाँ
- क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियाँ
- परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति
- परियोजना स्थल विशेष के लिए वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि।

ये सभी कारक परियोजना/परियोजनाओं को पूरा करने के समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

पश्चिम बंगाल:

रेल बजट:

पश्चिम बंगाल राज्य में पूर्णतः/अंशत: आने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आबंटन निम्नानुसार है:-

अवधि	परिव्यय
2009-14	4,380 करोड़ रुपए/वर्ष
2026-27	14,205 करोड़ रुपए (3 गुना से भी अधिक)

स्वीकृत परियोजनाएं:

01.04.2026 की स्थिति के अनुसार, पश्चिम बंगाल राज्य में पूर्णतः/अंशत: आने वाली 83,433 करोड़ रुपए की लागत से कुल 5,148 कि.मी. लंबाई की 63 परियोजनाएं (14 नई लाइन, 04 आमान परिवर्तन और 45 दोहरीकरण) स्वीकृत हैं। इसका सारांश निम्नानुसार है:

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	मार्च 2026 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2026 तक कुल व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइनें	14	1,056	337	13,872

आमान परिवर्तन	4	1,201	854	3,676
दोहरीकरण/बहुपथन	45	2,891	530	10,401
कुल	63	5,148	1,721	27,949

हाल ही में पूरी की गई परियोजनाएं:

पश्चिम बंगाल राज्य में पूर्णतः/अंशतः आने वाली हाल ही में पूरी की गईं कुछ परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1	रामपुरहाट-मंदारहिल नई लाइन (130 किमी)	908
2	अजीमगंज-मुर्शिदाबाद नई लाइन (7 किमी)	164
3	बर्द्धमान-कटवा आमान परिवर्तन (52 किमी)	696
4	अहमदपुर-कटवा आमान परिवर्तन (52 किमी)	440
5	पाँशकुड़ा-खड़गपुर दोहरीकरण (45 किमी)	408
6	लालगोला-जियागंज दोहरीकरण (23 किमी)	124
7	कृष्णनगर-बेथुयाडहरी दोहरीकरण (28 किमी)	152
8	नबद्वीपधाम-पाटुली दोहरीकरण (22 किमी)	170
9	बेथुयाडहरी-पलासी दोहरीकरण (23 किमी)	132
10	अम्बिका कालना-नबद्वीपधाम दोहरीकरण (23 किमी)	145
11	नलहाटी-सागरदीघि दोहरीकरण (26 किमी)	193
12	तमलुक जंक्शन-बासुलिया सुताहाटा दोहरीकरण (24 किमी)	245
13	पलासी-जियागंज दोहरीकरण (54 किमी)	234
14	अजीमगंज-मणिग्राम दोहरीकरण (21 किमी)	150
15	न्यू कूचबिहार-गुमानीहाट दोहरीकरण (29 किमी)	330

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
16	न्यू कूचबिहार-सामुकतला रोड दोहरीकरण (29 किमी)	445
17	सांइथिया-तारापीठ तीसरी लाइन (22 किमी)	186
18	आमबाड़ी फालाकाटा-न्यू मैनागुड़ी दोहरीकरण (38 किमी)	843
19	बैण्डेल-बैंची तीसरी लाइन (31 किमी)	546
20	बैंची-शक्तिगढ़ तीसरी लाइन (26 किमी)	424
21	बाजार सौ-अजीमगंज जंक्शन दोहरीकरण (42 किमी)	343
22	सागरदिघी-मालदा टाउन दोहरीकरण (25 किमी)	248
23	खड़गपुर-नारायणगढ़ तीसरी लाइन (24 किमी)	270
24	मणिग्राम-निमतिता दोहरीकरण (24 किमी)	713
25	पुरुलिया-कोटशिला दोहरीकरण (36 किमी)	393

चालू परियोजनाएं:

पश्चिम बंगाल में पूर्णतः/अंशतः आने वाली कुछ परियोजनाएं, जिन्हें शुरू किया गया है, का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ रुपए में)
1	चाण्डिल- दामोदर तीसरी लाइन (121 कि.मी.)	1,932
2	तारकेश्वर-बिष्णुपुर नई लाइन (83 कि.मी.)	1,542
3	सिवोक-रंगपो नई लाइन (44 कि.मी.)	11,973
4	बालुरघाट-हिली नई लाइन (30 कि.मी.)	1,209
5	कालियागंज-बुनियादपुर नई लाइन (33 कि.मी.)	1,147
6	कटिहार-कुमेदपुर और कटिहार-मुकुरिया दोहरीकरण (65 कि.मी.)	943

क्र.सं.	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ रुपए में)
7	खड़गपुर-आदित्यपुर तीसरी लाइन (132 कि.मी.)	3,450
8	नारायणगढ़-भद्रक तीसरी लाइन (153 कि.मी.)	3,425
9	कालीपहाड़ी-बख्तरनगर 5वीं लाइन (18 कि.मी.)	350
10	डानकुनि-बाल्टीकुरी तीसरी और चौथी लाइन (18 कि.मी.)	429
11	मुरारई-बड़हरवा तीसरी लाइन (49 कि.मी.)	935
12	राणाघाट-कृष्णानगर सिटी तीसरी लाइन (26 किमी.)	446
13	अलुआबाड़ी रोड़-न्यू जलपाईगुड़ी तीसरी और चौथी लाइन (57 किमी.)	1,630
14	साइंथिया-पाकुड़ चौथी लाइन (81 किमी.)	1,569
15	सांतरागाछी - खड़गपुर चौथी लाइन (111 कि.मी.)	2,905
16	बारबेंदा-दमरूघुटू दोहरीकरण, दमरूघुटू-बोकारो स्टील सिटी तीसरी और चौथी रेल लाइन (52 कि.मी.)	815
17	रानाघाट-बंगांव दोहरीकरण (33 कि.मी.)	396
18	यार्ड से होकर हिजली-निमपुरा तीसरी रेल लाइन (6 कि.मी.)	234
19	न्यू जलपाईगुड़ी-सिलीगुड़ी दोहरीकरण (7 कि.मी.)	215
20	ठाकुरगंज-सिलीगुड़ी दोहरीकरण (56 कि.मी.)	916
21	रामपुरहाट में बाईपास रेल लाइन (12 कि.मी.)	190

यात्री सुविधाएं:

पश्चिम बंगाल में स्थित बैंची स्टेशन पर, प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्रतीक्षालय, पेयजल व्यवस्था, मूत्रालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, उच्च स्तरीय प्लेटफॉर्म, पैदल पार पुल आदि जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। हाल के वर्षों में पैदल पार पुल के सुधार का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। प्रतीक्षालय के सुधार तथा प्लेटफॉर्म की ऊंचाई बढ़ाने के कार्य शुरू किए गए हैं।

पश्चिम बंगाल में स्थित मेमारी स्टेशन पर, प्लेटफॉर्म शेल्टर, पेयजल व्यवस्था, मूत्रालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, उच्च स्तरीय प्लेटफॉर्म, पैदल पार पुल आदि जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। हाल के वर्षों में प्लेटफॉर्म शेल्टर के सुधार का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। परिचलन क्षेत्र के सुधार, प्लेटफॉर्म की ऊंचाई बढ़ाने तथा शौचालय के कार्य शुरू किए गए हैं।

पश्चिम बंगाल में स्थित बैण्डेल जंक्शन स्टेशन पर, प्लेटफॉर्म शेल्टर, पेयजल व्यवस्था, मूत्रालय, बैठने की व्यवस्था, उच्च स्तरीय प्लेटफॉर्म, पैदल पार पुल आदि जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। हाल के वर्षों में परिचलन क्षेत्र में सुधार तथा दिव्यांगजन हेतु सुविधाओं के कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं। द्वितीय प्रवेश पर नए स्टेशन भवन तथा 6 मीटर चौड़े पैदल पार पुल के कार्य स्वीकृत किए जा चुके हैं। इसके अतिरिक्त, अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत बैण्डेल जंक्शन स्टेशन के पुनर्विकास हेतु मास्टर योजना बनाने का कार्य शुरू किया गया है।

मास्टर योजना बनाना एक सतत प्रक्रिया है, जिसमें इष्टतमीकरण की आवश्यकता होती है तथा इस चरण में ऐसे इष्टतमीकरण हेतु समय-सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती।

रेल मंत्रालय ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के पुनर्विकास हेतु अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है।

इस योजना में रेलवे स्टेशनों को बेहतर बनाने के लिए मास्टर योजना तैयार करना और चरणबद्ध रूप में उनका कार्यान्वयन करना शामिल हैं। मास्टर योजना बनाने में प्रत्येक स्टेशन की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित कार्य शामिल किए गए हैं:

- रेलवे स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुँच में सुधार
- शहर के दोनों भागों के साथ रेलवे स्टेशन का एकीकरण
- रेलवे स्टेशन भवन में सुधार
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, वाटर-बूथों में सुधार
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े ऊपरी पैदल पुल/सबवे का प्रावधान
- लिफ्ट/एस्केलेटर/रैम्प का प्रावधान
- प्लेटफ़ॉर्म की सतह में सुधार/प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर का प्रावधान
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान
- पार्किंग क्षेत्र का विकास
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएँ
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली
- एयर कॉनकोर्स, एक्ज़ीक्यूटिव लाउंज, मल्टीमॉडल एकीकरण, भूसुदर्शनीकरण आदि की व्यवस्था।

इस योजना में आवश्यकता, चरणबद्ध और व्यवहार्यता के अनुसार संधारणीय और पर्यावरण अनुकूल समाधान आदि तथा रेलवे स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के निर्माण की संकल्पना भी की गई है।

अब तक, इस योजना के अंतर्गत विकास हेतु 1,340 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिनमें से हुगली जिले के अंबिका कालना, बैण्डेल जंक्शन, चंदन नगर, डानकुनी, सेवड़ाफुली जंक्शन, श्रीरामपुर तथा तारकेश्वर स्टेशनों सहित 102 स्टेशन पश्चिम बंगाल में स्थित हैं। पश्चिम बंगाल में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए चिह्नित किए गए स्टेशनों के नाम निम्नलिखित हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
पश्चिम बंगाल	102	आद्रा, अलीपुरद्वार जं., अलुआबाड़ी रोड, अंबिका कालना, अनारा, अंडाल जं., अंदुल, आसनसोल जं., अजीमगंज, बगनान, बल्ली, बालुरघाट, बैण्डेल जं., बनगांव जं., बांकुरा, बाराभूम, बारासात, बर्धमान, बैरकपुर, बेल्दा, बरहामपुर कोर्ट, बेथुयाडाहरी, भालुका रोड, बिन्नागुड़ी, बिष्णुपुर, बोलपुर शांतिनिकेतन, बर्नपुर, कैनिंग, चंदन नगर, चांदपारा, चंद्रकोना रोड, दलगांव, दलखोला, दनकुनी, धुलियन गंगा, धुपगुड़ी, दीघा, दिनहाटा, दमदम जं., फालाकाटा, गरबेटा, गेडे, हल्दिया, हल्दीबाड़ी, हरिश्चंद्रपुर, हासीमारा, हिजली, हावड़ा जं., जलपाईगुड़ी, जलपाईगुड़ी रोड, जंगीपुर रोड, झालिदा, झारग्राम, जॉयचंडी पहाड़ जं., कालियागंज, कल्याणी, कल्याणी घोषपारा, कामाख्यागुड़ी, कटवा जंक्शन, खगराघाट रोड, खड़गपुर जंक्शन, कोलकाता, कृष्णनगर सिटी जंक्शन, कुमेदपुर जंक्शन, मधुकुंडा, मध्यमग्राम, मालदा कोर्ट, मालदा टाउन, मेचेदा, मेदिनीपुर (मिदनापुर), नवद्वीप धाम, नैहाटी जंक्शन, न्यू अलीपुरद्वार, न्यू कूच बिहार, न्यू फरक्का जंक्शन, न्यू जलपाईगुड़ी जंक्शन, न्यू माल जंक्शन, ओंडाग्राम, पानागढ़, पांडबेश्वर, पंसकुरा जंक्शन, पुरुलिया जंक्शन, रामपुरहाट जंक्शन, राणाघाट, सैंथिया जंक्शन, सालबोनी, समसी, सांतरागाछी, सियालदह, शालीमार, शांतिपुर, सेवड़ाफुली जंक्शन, श्रीरामपुर, सिलीगुड़ी जंक्शन, सीतारामपुर, सिउरी, सोनारपुर जंक्शन, सुईसा, तामलुक, तारकेश्वर, तुलिन, उलुबेरिया

<u>पश्चिम बंगाल में कार्य पूर्ण किए गए स्टेशन:</u>

पश्चिम बंगाल में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं। पश्चिम बंगाल में उन स्टेशनों के नाम जहां कार्य पूरा हो गया है, का विवरण निम्नलिखित है:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
पश्चिम बंगाल	13	अनारा, बाराभूम, दीघा, गड़बेता, हल्दिया, हल्दीबाड़ी, जलपाईगुड़ी रोड, जॉयचंडी पहाड़ जं, कल्याणी घोषपाड़ा, कामाख्यागुड़ी, पानागढ़, सिउरी, तामलुक

पश्चिम बंगाल के अन्य स्टेशनों पर भी विकास कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं और कुछ स्टेशनों पर कार्यों की प्रगति निम्नानुसार है:

पश्चिम बंगाल में हुगली जिले के स्टेशन:

- अम्बिका कालना स्टेशन: द्वितीय प्रवेश पर नए स्टेशन भवन के संरचनात्मक कार्य, प्लेटफॉर्म सतह तथा प्लेटफॉर्म शेल्टर के सुधार कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं। मुख्य प्रवेश पर नए स्टेशन भवन, नए शौचालय ब्लॉक, 12 मीटर चौड़े पैदल पार पुल तथा द्वितीय प्रवेश पर स्टेशन भवन के फिनिशिंग कार्य शुरू किए गए हैं।

- चंदन नगर स्टेशन: स्टेशन भवन, बुकिंग काउंटर, प्रतीक्षालय, शौचालय, प्रवेश प्रांगण, परिचलन क्षेत्र के सुधार, पार्किंग, प्लेटफॉर्म सतह तथा प्लेटफॉर्म शेल्टर के सुधार के कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं। 6 मीटर चौड़े पैदल पार पुल तथा दिव्यांगजन हेतु सुविधाओं के कार्य शुरू किए गए गए हैं।

- डानकुनि स्टेशन: नए स्टेशन भवन, प्रवेश प्रांगण, प्रतीक्षालय, शौचालय, बुकिंग काउंटर, परिचलन क्षेत्र के सुधार, पार्किंग, 6 मीटर चौड़े पैदल पार पुल, प्लेटफॉर्म सतह तथा प्लेटफॉर्म शेल्टर के सुधार के कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं। दिव्यांगजन हेतु सुविधाओं का कार्य शुरू किया गया है।

- **सेवड़ाफुली जंक्शन स्टेशन: नए स्टेशन भवन के संरचनात्मक कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं। नए स्टेशन भवन, बुकिंग काउंटर, प्रतीक्षालय, शौचालय तथा परिचलन क्षेत्र के सुधार के कार्य शुरू किए गए हैं।**

- **तारकेश्वर स्टेशन: प्लेटफॉर्म सतह के सुधार का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। स्टेशन भवन के सुधार तथा विस्तार, प्रवेश प्रांगण, तीर्थयात्री शेड, प्रतीक्षालय के सुधार, शौचालय, बुकिंग काउंटर तथा 12 मीटर चौड़े पैदल पार पुल के कार्य शुरू किए गए हैं।**

पश्चिम बंगाल के अन्य स्टेशन:

- **बहरमपुर कोर्ट स्टेशन: प्लेटफॉर्म संख्या 1 एवं 2/3 पर प्लेटफॉर्म शेल्टर तथा प्लेटफॉर्म संख्या 2/3 पर प्लेटफॉर्म सतह में सुधार कार्य पूरे किए जा चुके हैं। प्लेटफॉर्म संख्या 4/5 पर प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्लेटफॉर्म संख्या 1 पर प्लेटफॉर्म सतह के सुधार कार्य, बुकिंग काउंटर तथा 6 मीटर चौड़े पैदल पार पुल के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।**

- **धुलियान गंगा स्टेशन: परिचलन क्षेत्र का सुधार कार्य, प्रतीक्षालयों, शौचालय, बुकिंग काउंटर, संकेतकों तथा लिफ्टों के कार्य पूरे किए जा चुके हैं। स्टेशन भवन के विस्तार, 6 मीटर चौड़े पैदल पार पुल और पार्किंग का सुधार कार्य शुरू कर दिया गया हैं।**

- **जंगीपुर रोड स्टेशन: प्रतीक्षालयों, शौचालय, बुकिंग काउंटर, संकेतकों तथा लिफ्टों के सुधार कार्य पूरे किए जा चुके हैं। स्टेशन भवन के विस्तार तथा परिचलन क्षेत्र के सुधार के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।**

- **खागड़ाघाट रोड स्टेशन: संकेतकों तथा रेलगाड़ी संकेतक बोर्ड लगाने के कार्य पूरे किए जा चुके हैं। स्टेशन भवन में सुधार, परिचलन क्षेत्र में सुधार, पार्किंग, प्रतीक्षालयों तथा प्रवेश बरामदे के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।**

- **न्यू फरक्का जंक्शन स्टेशन: स्टेशन भवन में सुधार, प्रतीक्षालयों, शौचालय, प्रवेश प्रांगण, संकेतकों तथा रेलगाड़ी संकेतक बोर्ड लगाने के कार्य पूरे किए जा चुके हैं। परिचलन क्षेत्र के सुधार तथा पार्किंग के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।**

इसके अलावा, यात्री सुविधाओं के प्रावधान सहित भारतीय रेल में रेलवे स्टेशनों पर विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण सतत और चलायमान प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्य सापेक्ष प्राथमिकता और धन की उपलब्धता के अध्यधीन, आवश्यकतानुसार शुरू किए जाते हैं। रेलवे स्टेशनों के विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण कार्य स्टेशन की कोटि/स्थिति/सम्हाले जाने वाले यातायात आदि के आधार पर किए जाते हैं।

******